फेफड़े:

- श्वसन क्रिया में परेशानी व संक्रमण होना।
- सोते समय कभी-कभी लम्बी साँस लेना व अनिन्द्रा होना।(Sleep Apnoea)

हृदय:

- मांसपेशियों (Cardiac Muscles) का कमजोर होना जिससे शरीर में रक्त संचार कम होता है।

पेट व आंते सम्बन्धी:

- खाना निगलने में परेशानी कब्ज, उल्टी व पेट फूलना।

निदान:

बाल न्यूरोलोजिस्ट या बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा पारिवारिक विवरण, शारीरिक जाँच व अन्य जाँचों के माध्यम से।

ईलाज के तरीके:

- **फिजियोथैरेपी (Physiotherapy):** विभिन्न प्रकार के व्यायामों द्वारा मांसपेशियों को शक्ति देकर गति बनाये रखना तथा फेफड़ों का व्यायाम कराना प्रमुख है।
- **आक्युपेशनल थैरेपी (Occupational therapy):** बच्चें में स्वयं के दैनिक कार्य करने की क्षमता व दक्षता बढाना।
- **दवाईयाँ:** मुख्य रूप से कोर्टिकोस्टीरोइड (प्रेदनीसोलोन) विटामिन डी व कैल्शियम दी जाती है।

भविष्य में सम्भावनायें:

इस बीमारी में जीन थेरेपी (Gene Therapy) पर बहुत अध्ययन व खोज (Research) चल रही है, सबको आशा है कि इस बीमारी का ईलाज हो सकेगा।

भ्रान्तियाँ:

- स्टेम सैल ट्रांसप्लांट लाभ होने की सम्भावना न केबराबर है।
- हायपर बैरिक ऑक्सीजन थैरेपी लाभप्रद नहीं है।
- मालिश व झाड़फूक सब व्यर्थ एवं निराधार है।

Other Resources:

MDA.org.uk

JAIPUR CHILD NEURO CARE

ड्यूशन मस्कूलर डिस्ट्रोफी (DMD) सूचना पत्र

DR. VIVEK JAIN
Child Neurologist and Epileptologist
MD(PGI, Chandigarh), FRCPCH(UK)
CCT(UK) child Neurology

www.jaipurchildneuro.com
vivekchildneuro@gmail.com
Appointment / Helpline No:
08529222600

ड्यूशन मस्कूलर डिस्ट्रोफी (DMD)

यह मांसपेशियों की विभिन्न जन्मजात बीमारियों में सबसे ज्यादा पाये जाने वाली बीमारी है।

यह बीमारी लड़कों में ही होती है। विश्व में प्रतिवर्ष 25000 बच्चे इस रोग से ग्रसित पाये जाते है।

यह आनुवांशिक रोग है किन्तु 25 प्रतिशत बच्चों में अलग से भी हो सकता है।

इस बीमारी को मस्कूलर डिसट्रोफिनोपेथी भी कहते है क्योंकि इन बच्चों में जैनेटिक खराबी के कारण डिसस्ट्रोफिन नामक प्रोटीन का अभाव होता है। जिससे मांसपेशियाँ धीरे-धीरे सिकुड़ जाती है।

इस रोग से मुक्ति नहीं मिलती किन्तु दवाईयों व विभिन्न थैरेपी से लक्षणों को धीरे किया जा सकता है।

लक्षण:

इस बीमारी के लक्षण ज्यादातर 3-5 वर्ष की उम्र के बीच में प्रकट होते है।

जो कि कूल्हा, जाघों, कमर, हाथों व कन्धों की मांसपेशियों में कमजोरी से शुरु होती है।

यह बीमारी बाद में हृदय व फेफड़ों की मांसपेशियों कोप्रभावित करती है । अन्य शारीरिक लक्षण निम्न है:

मांसपेशियों (Neuromuscular system): प्रारम्भिक लक्षणों में बच्चें का देरी से बैठना, खडाहोना, फर्श से उठना, चलना व सीढ़ियाँ नहीं चढ़ पाना।

- मांसपेशियों (Skeletal Muscles) में कमजोरी, सिकुड़न व जल्दी थकावट आना जोड़ों में सन्धी (contracture) होना।
- पिण्डलिया का मोटा होना।
- कई बच्चों में परस्पर बात समझने व समझाने में दिक्कत होना।(Autism)
- रीड़ की हड्डी का संतुलन बिगड़कर सीना आगे निकलना

MUSCULAR DYSTROPHY

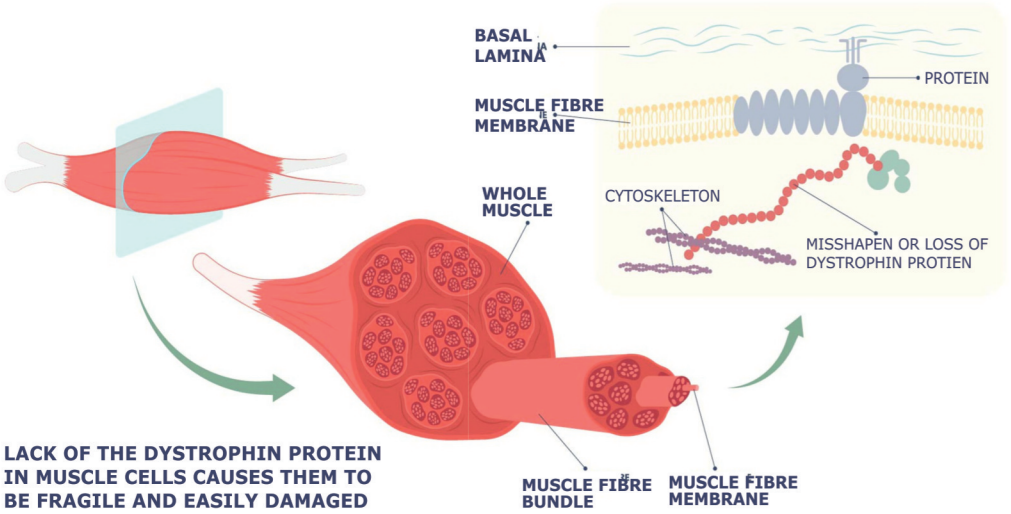

LACK OF THE DYSTROPHIN PROTEIN IN MUSCLE CELLS CAUSES THEM TO BE FRAGILE AND EASILY DAMAGED

X-LINKED RECESSIVE INHERITANCE

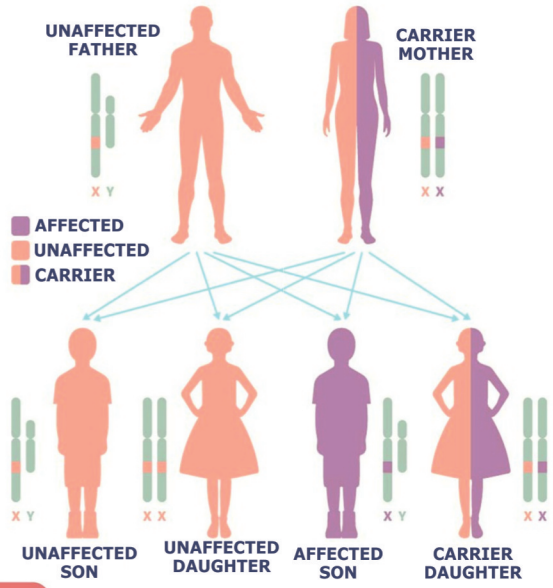

GOWER'S SIGN

CLIMBING UP LEG USING THE HAND WHEN RISING FROM THE FLOOR